Dainik Bhaskar (Indore), 7th September 2012, City Bhaskar, Page-15

चुनिंदा गूगल एम्बेसडर्स में आईआईटी के अशोक

अचीवमेंट

कॉलेज कैम्पस को सर्च इंजन से जोड़ने के कैम्पेन में देशभर से 123 स्टूडेंट्स को गूगल एम्बेसडर्स बनाया गया है। इसमें आईआईटी-इंदौर के अशोक पैनसिली शामिल हैं।

सिटी रिपोर्टर. इंदौर

नेशनल स्टूडेंट पार्लियामेंट में सलेक्शन के अचीवमेंट ने आईआईटी-इंदौर के अशोक पैनसिली को गूगल स्टूडेंट एम्बेसडर्स की फेहरिस्त में जगह दिला दी है। आईआईटी-आईआईएम जैसे कैम्पस को कॉर्पोरेट वर्ल्ड से जोड़ने के लिए गूगल ने दुनियाभर के 65 देशों से एक हजार स्टूडेंट्स को अपने एंबेसेडर के रूप में चुना है। इनमें देश के 123 स्टूडेंट्स शामिल हैं। उनमें से एक हैं अशोक। वे 7 से 9 सितंबर को गोआ में गूगल स्टूडेंट एम्बेसडर्स समिट में हिस्सा लेंगे। वहां उन्हें गूगल के सभी मैनेजर्स से मिलवाया जाएगा। इसके बाद जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी।

कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बीटेक थर्ड ईयर के स्टूडेंट अशोक बताते हैं गूगल जैसी कंपनी का ब्रांड एम्बेसडर बनना ख्वाब पूरा होने जैसा है। गूगल में काम करने को लेकर मैं काफी एक्साइटेड हूं। अशोक अपनी कामयाबी का क्रेडिट अपने पापा पैनसिली वर्की और मां बीना मैरी पैनसिली को देते हैं। वे कहते हैं कि मेरे पैरेंट्स और बड़े भाई ने हमेशा मुझे एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटी के लिए मोटिवेट किया। यही वजह है कि आज मैं यह मुकाम हासिल कर पाया हूं। अशोक बताते हैं कि गूगल के लिए ऑनलाइन एप्लीकेशन फिल करनी थी। इसमें मुझे मेरा मेजर अचीवमेंट, टीम वर्क में काम करने की कैपेसिटी और लीडरशिप क्वालिटी के बारे में बताना था।

प्रोफाइल देखकर सलेक्शन

अशोक बताते हैं कई स्टूडेंट्स को टेलीफोन या स्काइप पर इंटरव्यू देना पड़ा, लेकिन गूगल ने मेरा सलेक्शन सिर्फ प्रोफाइल देख कर ही कर लिया। अशोक पिछले दिनों पुणे में हुई स्टूडेंट पार्लियामेंट में सलेक्ट हुए थे। इसमें आठ हजार स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया था। स्पीच ऑडिशन टेस्ट के बाद चुने गए 18 स्टूडेंट्स में अशोक शामिल थे। गूगल की सलेक्शन प्रोसेस के दौरान अशोक ने स्टूडेंट पार्लियामेंट में पार्टिसिपेशन को मेजर अचीवमेंट के रूप में लिखा। वे बताते हैं कि उनका एम्बिशन एक्सपीरियंस के लिए किसी बड़ी कंपनी में काम करने का है। उसके बाद वे एंटरप्रिन्योर बनना चाहते हैं। अशोक अपने कॉलेज के रॉक बैंड के लीड वोकलिस्ट हैं।